भाषा विद्याशाखा

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

बी0ए0 तृतीय वर्ष सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि.... 15 मई 2014

प्रोग्राम कोड – बीए 10

कोर्स शीर्षक – नाटक तथा व्याकरण कोर्स कोड -एसए -05

ग्रीष्मकालीन सत्र 2013-14 अधिकतम अंक -40

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1- शमप्रधानेषु तपोधनेषु
गूढं हि दाहात्म्कमस्ति तेजः ।
स्पंर्शानुकूला इव सूर्यकान्ता्-
स्तंदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति ।। श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए

2- षष्ठय अंक का सारांश लिखिए ।

3-'भू' धातु लट् लकार का रूप लिखिए

4-शारंगरव और शारद्वत का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

5- विदूषक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

6- चतुर्थ अंक के चार श्रेष्ठि श्लो क कौन से हैं लिखिए ।

7-अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

8- ससूत्र सिद्धि करें – कुम्भोकारः अथवा लवणः ।

खण्ड ख

1- अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रकृति चित्रण का वर्णन कीजिए ।

2- शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

3- 'उपमा कालिदासस्यचउक्ति की सार्थकता सिद्ध कीजिए ।

4- महाकवि कालिदास की काव्य्कला का वर्णन कीजिए ।